Test Cloud

Daily करेंट अफेयर्स

07 अगस्त 2025

NATIONAL AFFAIRS

1. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में नई दिल्ली में कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया। यह एक अत्याधुनिक सरकारी सुविधा है जिसका उद्देश्य विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय को बेहतर बनाना और नौकरशाहों के लिए एक आधुनिक कार्य वातावरण प्रदान करना है। यह भवन शासन के बुनियादी ढाँचे में दक्षता, पारदर्शिता और स्थिरता के सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

- **कर्तव्य भवन का उद्घाटन समारोह नई दिल्ली में वरिष्ठ नौकरशाहों और मंत्रियों सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। यह आयोजन भारत सरकार (GoI) के प्रशासनिक ढांचे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।**

- **कर्तव्य भवन को हरित भवन मानकों को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें ऊर्जा-कुशल प्रणालियाँ, वर्षा जल संचयन और सौर पैनल स्थापनाएँ शामिल हैं। यह परियोजना आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) के टिकाऊ सार्वजनिक भवनों के लिए दिशानिर्देशों के अनुरूप है।**

- **यह सुविधा अंतर-मंत्रालयी समन्वय के केंद्र के रूप में काम करेगी और इसमें विभिन्न विभागों के कार्यालय होंगे। इसके डिज़ाइन में उन्नत सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) प्रणालियाँ शामिल हैं जो इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) द्वारा शुरू किए गए डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत डिजिटल शासन पहलों को समर्थन प्रदान करेंगी।**

Key Points:-

(i) इस भवन में उच्च गति डेटा कनेक्टिविटी, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं वाले कॉन्फ्रेंस हॉल और सहयोगात्मक कार्यस्थल जैसी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य निर्णय लेने की दक्षता में सुधार और नीति कार्यान्वयन में देरी को कम करना है।

(ii) कर्तव्य भवन में भारत सरकार के सुरक्षा और लचीलापन प्रोटोकॉल के अनुरूप, आपात स्थिति के दौरान निर्बाध कामकाज सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित दस्तावेज़ भंडारण प्रणाली, बायोमेट्रिक पहुंच नियंत्रण और आपदा प्रबंधन उपाय भी शामिल हैं।

(iii) "कर्तव्य भवन" नाम सरकार के 'कर्तव्य' पर ज़ोर को दर्शाता है, जिसका अर्थ है कर्तव्य, जो राष्ट्र के प्रति लोक सेवकों की ज़िम्मेदारी का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ज़ोर देकर कहा कि यह सुविधा लोक सेवकों को सेवा और शासन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगी।

INTERNATIONAL

1. ग्लोबल AI सिटी इंडेक्स 2025: बेंगलुरु 26वें स्थान पर और सिंगापुर ने शीर्ष स्थान हासिल किया।

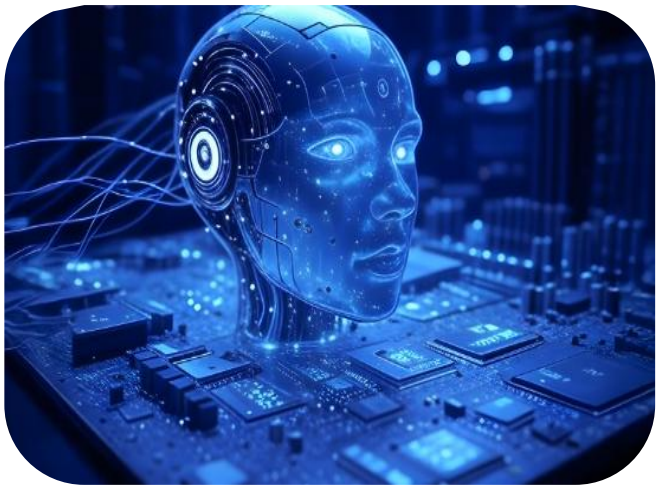

अगस्त 2025 में, मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट टेक्नोलॉजी मार्केट रिसर्च ने "ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सिटी इंडेक्स 2025" जारी किया, जिसमें बेंगलुरु ने वैश्विक स्तर पर 26वां स्थान हासिल किया - जो एआई अनुसंधान, विकास (R&D) और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भारत का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा।

- **सूचकांक में सिंगापुर शीर्ष स्थान पर रहा, उसके बाद सियोल (दक्षिण कोरिया), बीजिंग (चीन), दुबई (संयुक्त अरब अमीरात) और सैन फ्रांसिस्को (संयुक्त राज्य अमेरिका) का स्थान रहा।**
- **सूचकांक ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में 5,000 से अधिक AI-संबंधित पहलों पर शहरों का मूल्यांकन किया, जिसमें AI बुनियादी ढांचे, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, अनुसंधान आउटपुट, निवेश प्रवाह और डिजिटल बुनियादी ढांचे की परिपक्वता जैसे कारकों को मापा गया।**
- **बेंगलुरु भारत की रैंकिंग में मुंबई, नई दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता से आगे रहा। गौरतलब है कि मुंबई और नई दिल्ली यातायात प्रबंधन और जन सुरक्षा में AI-संचालित अनुप्रयोगों के माध्यम से बढ़त हासिल कर रहे हैं।**

Key Points:-

(i) बेंगलुरु के अलावा, 2025 सूचकांक में तेजी से विस्तार करने वाले AI केंद्रों में रियाद (सऊदी अरब), हांग्जो (चीन) और साओ पाउलो (ब्राजील) शामिल हैं, जो त्वरित वैश्विक विकास को दर्शाते हैं।

(ii) माइक्रोसॉफ्ट सबसे सक्रिय उद्योग खिलाड़ी के रूप में उभरा, जिसने AI डेटा सेंटर की उपस्थिति का विस्तार किया, प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए और नवाचार केंद्र स्थापित किए। गूगल और अमेज़न जैसी वैश्विक कंपनियों ने भी AI के बुनियादी ढांचे और पहलों को बढ़ावा दिया।

(iii) भारतीय शहरों में बेंगलुरु के अग्रणी होने के बावजूद, इसकी 26वीं वैश्विक रैंक भारत के लिए AI निवेश को तीव्र करने, मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए एक सुसंगत राष्ट्रीय रणनीति तैयार करने की तत्काल आवश्यकता का संकेत देती है।

2. भारत और फिलीपींस ने दक्षिण चीन सागर में पहली बार द्विपक्षीय समुद्री सहयोग गतिविधि आयोजित की।

अगस्त 2025 में, भारतीय नौसेना और फिलीपींस की नौसेना ने दक्षिण चीन सागर में अपनी पहली द्विपक्षीय समुद्री सहयोग गतिविधि (MCA) का आयोजन किया, जिसे फिलीपींस पश्चिमी फिलीपींस सागर (WPS) भी कहता है। यह अभ्यास समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने और क्षेत्रीय चुनौतियों का मुकाबला करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

• MCA भारत और फिलीपींस के बीच पहला द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास था, जिसका उद्देश्य समुद्री अंतर-संचालन, संयुक्त परिचालन तत्परता और आपसी विश्वास को बेहतर बनाना था। यह अभ्यास पश्चिमी फिलीपींस सागर में हुआ, जो फिलीपींस के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में आता है और विवादित दक्षिण चीन सागर क्षेत्र का हिस्सा है।

• भारत ने इस अभ्यास के लिए तीन प्रमुख युद्धपोतों को तैनात किया: निर्देशित मिसाइल विध्वंसक INS मैसूर, बेड़े का टैंकर INS शक्ति, और पनडुब्बी रोधी युद्धपोत INS किल्टन। इन जहाजों ने भारत की उन्नत नौसैनिक क्षमताओं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त और खुले समुद्री मार्गों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

• फिलीपींस की नौसेना ने MCA के लिए अपने दो अग्रणी युद्धपोतों—BRP मिगुएल मालावर और BRP जोस रिज़ल—को मैदान में उतारा। आधुनिक युद्ध और निगरानी प्रणालियों से लैस इन जहाजों ने भारतीय जहाजों के साथ संयुक्त अभ्यास किया और समन्वित सामरिक युद्धाभ्यास और संचार प्रोटोकॉल का प्रदर्शन किया।

Key Points:-

(i) यह अभ्यास 2023 के अंत में शुरू की गई फिलीपींस की व्यापक समुद्री सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह विभिन्न साझेदार देशों के साथ MCA (मेगावाट अभ्यास) कर रहा है। भारत के साथ सहयोग क्षेत्रीय रक्षा कूटनीति में एक महत्वपूर्ण आयाम जोड़ता है, खासकर दक्षिण चीन सागर में चीन के व्यापक क्षेत्रीय दावों का मुकाबला करने में।

(ii) भारत और फिलीपींस के बीच MCA, दोनों देशों के एक स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह अभ्यास भारत की "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" और फिलीपींस द्वारा अपने विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में संप्रभुता और आर्थिक हितों की रक्षा हेतु सुरक्षा साझेदारी को मज़बूत करने के प्रयासों को भी दर्शाता है।

BANKING & FINANCE

1. RBI ने वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के लिए तीन उपभोक्ता-केंद्रित योजनाओं की घोषणा की।

अगस्त 2025 में, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने देश भर में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तीन उपभोक्ता-केंद्रित योजनाएँ शुरू कीं। यह घोषणा RBI के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने महाराष्ट्र के मुंबई में आयोजित वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक के समापन के दौरान की।

• पहली पहल ग्रामीण और बैंकिंग सुविधा से वंचित क्षेत्रों में वित्तीय सेवाओं की पहुँच में सुधार के लिए पंचायत स्तर पर घर-घर बैंकिंग शिविर आयोजित करने पर केंद्रित है। आरबीआई के निर्देशों के अनुसार, ये शिविर 1 जुलाई, 2025 से 30 सितंबर, 2025 तक आयोजित किए जाएँगे। इस कदम का उद्देश्य प्रमुख वित्तीय समावेशन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) के तहत पहुँच का विस्तार करना है।

• दूसरी योजना मृतक खाताधारकों के लिए निपटान प्रक्रिया को सरल बनाती है। बैंकों को बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत दावा

निपटान प्रक्रियाओं को सरल बनाने का निर्देश दिया गया है, जिससे कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए बिना किसी अनावश्यक देरी के मृतक खाताधारकों के धन तक पहुँच आसान हो सके।

• तीसरे उपाय में RBI रिटेल डायरेक्ट प्लेटफ़ॉर्म की कार्यक्षमता का विस्तार शामिल है। इस विस्तार से खुदरा निवेशक व्यवस्थित निवेश योजनाओं (SIPs) के माध्यम से ट्रेजरी बिल (T-Bills) में निवेश कर सकेंगे, जिससे व्यक्तियों के लिए सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs) में निवेश की प्रक्रिया सरल हो जाएगी।

Key Points:-

(i) इन सुधारों पर RBI का ध्यान वित्तीय पहुँच में सुधार, बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाने और सरकार समर्थित योजनाओं के क्रियान्वयन को मज़बूत बनाने की उसकी व्यापक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कदम औपचारिक बैंकिंग माध्यमों में ग्रामीण आबादी की भागीदारी बढ़ाने के दृष्टिकोण का भी समर्थन करता है।

(ii) ऐतिहासिक रूप से, भारत में वित्तीय समावेशन कई नीतिगत पहलों से प्रेरित रहा है, जिसमें 2014 में PMJDY का शुभारंभ और 2021 में रिटेल डायरेक्ट स्कीम की शुरुआत शामिल है। वर्तमान उपायों से इन प्रयासों के दायरे और पहुंच का विस्तार होने की उम्मीद है, खासकर कम बैंकिंग वाले क्षेत्रों में।

2. बैंक ऑफ बड़ौदा ने कॉर्पोरेट और MSME ग्राहकों के लिए डिजिटल फॉरेक्स प्लेटफॉर्म 'bob FxOne' लॉन्च किया।

5 अगस्त, 2025 को, बैंक ऑफ बड़ौदा (BOB) ने 'बॉब एफएक्सवन' नाम से एक नया डिजिटल विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य कॉर्पोरेट ग्राहकों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) के लिए विदेशी मुद्रा और डेरिवेटिव लेनदेन को सुव्यवस्थित करना है। यह प्लेटफॉर्म उन्नत डिजिटल सुविधाओं के माध्यम से पारदर्शिता, दक्षता और ट्रेजरी संचालन में आसानी बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

• 'bob FxOne' प्लेटफ़ॉर्म विभिन्न विदेशी मुद्रा लेनदेन, जैसे नकद, कल, स्पॉट, फ़ॉरवर्ड, बिल और विकल्प ट्रेड, के प्रबंधन के लिए एक एकीकृत इंटरफ़ेस प्रदान करता है। सभी प्रकार के विदेशी मुद्रा लेनदेन को एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर एकीकृत करके, bob का लक्ष्य व्यावसायिक ग्राहकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना है, साथ ही तेज़ निष्पादन और वास्तविक समय में दरों की दृश्यता सुनिश्चित करना है।

• 'bob FxOne' की एक प्रमुख विशेषता वन-क्लिक ट्रेड (1CT) का समावेश है, जो तुरंत डील बुकिंग की सुविधा देता है, और रिक्वेस्ट फॉर कोट (RFQ) कार्यक्षमता जो ग्राहकों को उनकी विशिष्ट लेन-देन आवश्यकताओं के आधार पर अनुकूलित मूल्य निर्धारण प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। ये सुविधाएँ विदेशी मुद्रा लेनदेन में गति और अनुकूलन दोनों सुनिश्चित करती हैं।

• यह प्लेटफ़ॉर्म एक व्यक्तिगत उपयोगकर्ता डैशबोर्ड का समर्थन करता है जो रीयल-टाइम अलर्ट, लेन-देन सारांश और स्वचालित तत्काल डील पुष्टिकरण प्रदान करता है। ग्राहक रिकॉर्ड रखने और अनुपालन के लिए डील टिकट भी डाउनलोड कर सकते हैं, जिससे परिचालन दक्षता में सुधार होता है और मैन्युअल फ़ॉलो-अप कम होते हैं।

Key Points:-

(i) 'bob FxOne' को कॉर्पोरेट और MSME ग्राहकों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने ट्रेजरी और विदेशी मुद्रा सेवाओं को डिजिटल बनाने की दिशा में बीओबी के व्यापक प्रयास के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया है।

(ii) बैंक का यह कदम ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने, जोखिम को कम करने और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार लेनदेन में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी-सक्षम विदेशी मुद्रा व्यापार प्रणालियों की ओर उद्योग-व्यापी बदलाव को दर्शाता है।

(iii) वास्तविक समय पर विदेशी मुद्रा दरें और स्वचालित निष्पादन प्रदान करके, 'बॉब एफएक्सवन' से मुद्रा प्रबंधन में बेहतर निर्णय लेने की क्षमता के साथ व्यवसायों को सशक्त बनाने की उम्मीद है। यह पहल वैश्विक व्यापार में भारत के बढ़ते कॉर्पोरेट और एमएसएमई क्षेत्र का समर्थन करते हुए अपने डिजिटल बैंकिंग पोर्टफोलियो को बढ़ाने की बॉब की रणनीति के अनुरूप है।

3. एक्सिस बैंक ने डिजिटल धोखाधड़ी से फिक्स्ड डिपॉजिट को बचाने के लिए उद्योग में पहली बार 'लॉक FD' सुविधा शुरू की है।

एक्सिस बैंक ने ग्राहकों की सावधि जमा (FD) को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने के उद्देश्य से 'लॉक FD' नामक एक उद्योग-प्रथम सुविधा शुरू की है। अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप 'ओपन' और सभी शाखाओं में घोषित, यह कदम बढ़ते फ़िशिंग और मैलवेयर खतरों के बीच सावधि जमाओं की सुरक्षा को मज़बूत करता है।

• 'लॉक FD' सुविधा जमाकर्ताओं को अपनी FDs को ऑनलाइन या मोबाइल के ज़रिए समय से पहले बंद होने से रोकने की सुविधा देती है। ऐसी जमा राशि रद्द करने के लिए, ग्राहकों को शाखा में स्वयं जाना होगा—जो अनधिकृत डिजिटल निकासी के खिलाफ एक अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है।

• एक बार लॉक हो जाने के बाद, समय से पहले बंद करने के किसी भी अनुरोध के लिए शाखा में पहचान की पुष्टि आवश्यक होती है। इस प्रक्रिया में, जिसमें कठोर सत्यापन शामिल है, संभावित धोखेबाजों को डिजिटल रूप से धन तक पहुँचने और उसे निकालने से काफ़ी हद तक रोकती है।

Key Points:-

(i) यह सुविधा एक्सिस बैंक के मोबाइल ऐप ('open') और भौतिक शाखाओं, दोनों के माध्यम से उपलब्ध है। इसका एक्टिवेशन उपयोगकर्ता-अनुकूल है और सुरक्षा से समझौता किए बिना डिजिटल-प्रथम समाधान प्रदान करने की एक्सिस बैंक की रणनीति के

अनुरूप है।

(ii) यह लॉन्च एक्सिस बैंक के अन्य हालिया सुरक्षा संवर्द्धनों जैसे 'इन-ऐप मोबाइल ओटीपी' फीचर का पूरक है, जिसे ग्राहकों को वन-टाइम पासवर्ड (OTP) से संबंधित घोटालों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो डिजिटल बैंकिंग सुरक्षा में बैंक के नेतृत्व को मजबूत करता है।

4. टाटा AIA लाइफ इंश्योरेंस ने महिला-केंद्रित टर्म इंश्योरेंस प्लान 'शुभ शक्ति' का अनावरण किया।

टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड और AIA ग्रुप लिमिटेड (AIA) के बीच एक संयुक्त उद्यम (JV) टाटा AIA लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने 'शुभ शक्ति' नामक एक समर्पित टर्म इंश्योरेंस प्लान लॉन्च किया है, जो विशेष रूप से महिलाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को उनकी ज़रूरतों के अनुसार वित्तीय सुरक्षा, स्वास्थ्य लाभ और शैक्षिक सहायता प्रदान करके बीमा क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाना है।

- **यह योजना महिलाओं को पुरुषों की तुलना में लगभग 15% कम प्रीमियम प्रदान करती है, जो प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान हर वर्ष लागू होती है, जिससे यह दीर्घकालिक कवरेज के लिए लागत प्रभावी विकल्प बन जाती है।**
- **एकल माताएं महिलाओं के लिए रियायती प्रीमियम के अतिरिक्त 1% की अतिरिक्त आजीवन छूट की हकदार हैं, जो एकल-अभिभावक परिवारों के लिए अतिरिक्त वित्तीय राहत प्रदान करती है।**
- **पॉलिसीधारक गर्भावस्था और प्रसव के बाद 12 महीने तक की दो प्रीमियम छुट्टियों के लिए पात्र हैं, जिससे वे प्रीमियम भुगतान के तनाव के बिना स्वास्थ्य और शिशु देखभाल को प्राथमिकता दे सकते हैं। इस योजना में व्यापक स्वास्थ्य सहायता लाभ शामिल हैं, जैसे पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज (PCOD), इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) परामर्श, वजन प्रबंधन कार्यक्रम, ह्यूमन पेपिलोमावायरस (HPV), फ्लू और सर्वाइकल कैंसर के टीकाकरण, और वार्षिक स्वास्थ्य जांच।**

Key Points:-

(i) एक वैकल्पिक ऐड-ऑन सुविधा 25 वर्ष की आयु तक तीन बच्चों के लिए मासिक आय लाभ प्रदान करती है, जिससे उनकी शिक्षा के लिए निर्बाध वित्तीय सहायता सुनिश्चित होती है।

(ii) पति की मृत्यु या पॉलिसीधारक की आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में, योजना भविष्य के सभी प्रीमियम भुगतानों को माफ कर देती है, जिससे अतिरिक्त वित्तीय बोझ के बिना निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

5. एंट फाइनेंशियल ने पेटीएम में 5.84% हिस्सेदारी 3,803 करोड़ रुपये में बेची।

एंटफिन (नीदरलैंड्स) होल्डिंग बी.वी., जिसे पहले एंट फाइनेंशियल के नाम से जाना जाता था और जो अलीबाबा समूह की सहायक कंपनी है, ने 5 अगस्त, 2025 को खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से 3,803 करोड़ रुपये मूल्य की 5.84% हिस्सेदारी बेचकर पे थ्रू मोबाइल (पेटीएम) में अपने निवेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा निकाल लिया है। यह सौदा 1,020 रुपये प्रति शेयर के औसत विक्रय मूल्य पर दो स्लॉट में हुआ।

- **अलीबाबा समूह की सहायक कंपनी एंटफिन (नीदरलैंड) होल्डिंग बी.वी. ने पेटीएम (जिसे आधिकारिक तौर पर वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) के 3.73 करोड़ शेयर बेचे, जो 5.84% इक्विटी के बराबर है।**
- **कुल लेनदेन मूल्य 3,803 करोड़ रुपये (लगभग 455 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, जो खुले बाजार व्यापार के माध्यम से कंपनी की हिस्सेदारी में रणनीतिक कमी को दर्शाता है।**
- **खरीदारों में सोसाइटी जेनरल शामिल थी, जिसने 720.56 करोड़ रुपये में 1.06% इक्विटी (67.50 लाख शेयर) का अधिग्रहण किया, और एमवाई अल्फा मैनेजमेंट की सहायक कंपनी एमवाई एशियन ऑपर्च्युनिटीज मास्टर फंड LP, जिसने 373.62 करोड़ रुपये में 0.55% इक्विटी (35 लाख शेयर) का अधिग्रहण किया। ये अधिग्रहण बाजार नियमों के अनुपालन में दो अलग-अलग किस्तों में किए गए।**

Key Points:-

(i) यह लेनदेन पेटीएम से एंटफिन की क्रमिक विनिवेश रणनीति का हिस्सा है। पहले बड़ी हिस्सेदारी रखने वाला एंटफिन अपने वैश्विक निवेश पुनर्गठन के अनुरूप अपनी हिस्सेदारी कम कर रहा है। यह निकासी बदलती बाजार स्थितियों और इसकी मूल कंपनी, अलीबाबा समूह द्वारा किए गए रणनीतिक पोर्टफोलियो समायोजन के अनुरूप है।

(ii) भारतीय स्वामित्व नियमों के अनुसार, पेटीएम में एंटफिन की कम हिस्सेदारी से घरेलू शेयरधारिता में वृद्धि होगी, जिससे अधिक सुचारू नियामकीय नियमन और बेहतर प्रशासन का मार्ग प्रशस्त होगा। इस बदलाव से निवेशकों का विश्वास बढ़ने और पेटीएम की इक्विटी संरचना में व्यापक भारतीय भागीदारी आकर्षित होने की उम्मीद है।

6. RBI ने विशेष रुपी Vostro खाते (SRVAs) खोलने के नियमों को आसान बनाया।

अगस्त 2025 में, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने विशेष रुपया वास्ट्रो खाते (SRVA) खोलने के मानदंडों में ढील दी, जिससे बैंकों को RBI की पूर्व स्वीकृति के बिना विदेशी संवाददाता बैंकों के लिए ऐसे खाते खोलने की अनुमति मिल गई। यह कदम भारतीय रुपये (INR) में सीमा पार व्यापार निपटान के लिए जुलाई

2022 में शुरू की गई प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है।

• इस छूट से RBI की पूर्व स्वीकृति प्राप्त करने की पूर्व आवश्यकता समाप्त हो गई है, जिससे बैंकों के लिए विदेशी भागीदारों के लिए SRVAs खोलना आसान और तेज हो गया है।

• नए मानदंड तत्काल प्रभाव से लागू होंगे, जिससे भारतीय रुपये में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार लेनदेन को संभालने में दक्षता बढ़ेगी।

Key Points:-

(i) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का निपटान भारतीय रुपये में करने, मुक्त रूप से परिवर्तनीय विदेशी मुद्राओं पर निर्भरता कम करने और वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने के लिए जुलाई 2022 में एसआरवीए की शुरुआत की गई।

(ii) इससे पहले, बैंक केवल भारतीय रुपये में निर्यात/आयात के चालान, भुगतान और निपटान जैसी गतिविधियों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ही संबंधित बैंकों के लिए SRVAs खोल सकते थे।

(iii) नए नियमों से भारतीय रुपये में व्यापार को बढ़ावा मिलने, सीमा पार निपटान को सरल बनाने और वैश्विक व्यापार में भारतीय मुद्रा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

ECONOMY & BUSINESS

1. NCAER का बिजनेस कॉन्फिडेंस इंडेक्स वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के 139.3 से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 149.4 हो गया।

अगस्त 2025 में, राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (NCAER) ने जून 2025 में किए गए अपने व्यावसायिक अपेक्षा सर्वेक्षण के परिणाम जारी किए, जिसमें छह प्रमुख भारतीय शहरों की 479 कंपनियों को शामिल किया गया था। सर्वेक्षण से पता चला है कि भारत का व्यावसायिक विश्वास सूचकांक (BCI) वित्तीय वर्ष 2025-26 (वित्त वर्ष 26) की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 149.4 पर पहुँच गया, जबकि वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में यह 139.3 था।

• सर्वेक्षण में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि बीसीआई की वृद्धि समग्र आर्थिक स्थितियों में सुधार, फर्मों की बेहतर वित्तीय स्थिति और अनुकूल निवेश माहौल के संबंध में कॉर्पोरेट क्षेत्र में आशावाद को दर्शाती है।

• NCAER के अनुसार, सूचकांक चार प्रमुख घटकों पर आधारित है: समग्र आर्थिक स्थितियों में सुधार, फर्मों की वित्तीय स्थिति में सुधार, निवेश वातावरण का सकारात्मक मूल्यांकन, और उच्च या इष्टतम क्षमता उपयोग।

• सभी चार घटकों के लिए सकारात्मक प्रतिक्रियाओं का हिस्सा 60% से अधिक रहा, जो सर्वेक्षण अवधि के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूत कारोबारी भावना का संकेत देता है।

Key Points:-

(i) पिछला BCI मूल्य वित्त वर्ष 2025 की चौथी

तिमाही में 139.3 दर्ज किया गया था, जो तुलनात्मक रूप से कम था, यह दर्शाता है कि पिछली तिमाही में व्यवसायों का दृष्टिकोण अधिक सतर्क था।

(ii) NCAER द्वारा शुरू किया गया व्यावसायिक अपेक्षा सर्वेक्षण, 1991 से त्रैमासिक रूप से आयोजित किया जाता है और यह भारत में व्यावसायिक भावना के सबसे विश्वसनीय उपायों में से एक है।

(iii) वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के सर्वेक्षण परिणाम में आने वाली तिमाहियों में वृद्धि के प्रति आशावाद बनाए रखते हुए कच्चे माल की लागत, मुद्रास्फीति और मांग में उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों से निपटने में व्यवसायों के आत्मविश्वास पर प्रकाश डाला गया है।

APPOINTMENTS & RESIGNATIONS

1. एयरबस ने जुर्गेन वेस्टरमियर को भारत और दक्षिण एशिया के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है, जो 1 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा।

एयरबस ने जुर्गेन वेस्टरमियर को भारत और दक्षिण एशिया के लिए अपना नया अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है, जो 1 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। वह रेमी मैलार्ड का स्थान लेंगे और अपने साथ खरीद, आपूर्तिकर्ता साझेदारी और रणनीतिक संचालन में समृद्ध पृष्ठभूमि लेकर आएंगे।

- **जुर्गन वेस्टरमियर, जो वर्तमान में एयरबस में कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य खरीद अधिकारी हैं, 1 सितंबर 2025 को भारत और दक्षिण एशिया की भूमिका संभालेंगे। वह रेमी मैलार्ड का स्थान लेंगे, जो वाणिज्यिक विमान के लिए EVP इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी प्रमुख बनेंगे।**

- **अपने नए पद पर, वेस्टरमियर वाणिज्यिक विमान, रक्षा एवं अंतरिक्ष, तथा हेलीकॉप्टरों में एयरबस के परिचालन की देखरेख करेंगे, तथा बिक्री, इंजीनियरिंग, डिजिटल, नवाचार, प्रशिक्षण और क्षेत्रीय उपस्थिति के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करेंगे।**

- **वेस्टरमियर के कार्यक्षेत्र का एक प्रमुख हिस्सा एयरबस की "मेक इन इंडिया" रणनीति को आगे बढ़ाना है। उनका लक्ष्य क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग, स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं की सहभागिता, इंजीनियरिंग क्षमता और डिजिटल विकास को गहरा करना है।**

Key Points:-

(i) वेस्टरमियर 2020 में एयरबस में मुख्य खरीद अधिकारी के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न विभागों में खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, आपूर्तिकर्ताओं के साथ मज़बूत संबंध बनाने और नवीन खरीद प्रक्रियाओं को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(ii) एयरबस में अपने कार्यकाल से पहले, जुर्गन वेस्टरमियर ने बीएमडब्ल्यू में अपना करियर बनाया, जहाँ उन्होंने सूचना सेवाओं, आपूर्तिकर्ता गुणवत्ता, लागत इंजीनियरिंग और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण में नेतृत्वकारी भूमिकाएँ निभाईं। उन्होंने जर्मनी के कार्लज़ूए विश्वविद्यालय से औद्योगिक इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त की है।

(iii) वेस्टरमियर का नेतृत्व भारत और दक्षिण एशिया में एयरबस की उपस्थिति को रणनीतिक रूप से सुदृढ़ करने को दर्शाता है - क्षेत्र में बढ़ती विमानन और रक्षा

मांगों के बीच तीव्र व्यावसायीकरण, स्थानीय विनिर्माण और सतत विकास।

SPORTS

1. भारत-इंग्लैंड एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त हुई और शुभमन गिल और हैरी ब्रुक ने ऐतिहासिक प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार साझा किया।

भारत और इंग्लैंड के बीच पहली एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 रोमांचक 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त हुई, जिसने द्विपक्षीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक यादगार अध्याय जोड़ दिया। 20 जून से 4 अगस्त 2025 तक खेली गई पाँच मैचों की इस श्रृंखला में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन और कई पहली बार की उपलब्धियाँ देखने को मिलीं।

- **यह श्रृंखला इंग्लैंड के महान क्रिकेटरों जेम्स एंडरसन और भारत के सचिन तेंदुलकर के सम्मान में शुरू की गई थी। एक विशेष पुरस्कार, पटौदी मेडल ऑफ एक्सीलेंस, भी शुरू किया गया, जो भविष्य के संस्करणों में विजेता कप्तान को प्रदान किया जाएगा। मैच पारंपरिक अंग्रेजी टेस्ट स्थलों, जैसे लॉर्ड्स, हेडिंग्ले, ओल्ड ट्रैफर्ड, एजबेस्टन और द ओवल, पर आयोजित किए गए।**

- **भारत ने ओवल में खेले गए अंतिम टेस्ट में छह रन से नाटकीय जीत हासिल कर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। यह परिणाम 2021-22 में भारत के इंग्लैंड दौरे के परिणाम जैसा ही था, जो भी एक गतिरोध पर समाप्त हुआ था। इंग्लैंड ने पहले और तीसरे टेस्ट में जीत हासिल की, जबकि भारत ने दूसरे और पाँचवें मैच में जीत हासिल की।**

- **भारत की कप्तानी कर रहे शुभमन गिल 75.40 की औसत से 754 रन बनाकर सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। यह इंग्लैंड में किसी भी मेहमान कप्तान द्वारा बनाया गया अब तक का सर्वोच्च स्कोर बन गया, जिसने ग्राहम गूच के 752 रनों और सुनील गावस्कर के पिछले भारत-इंग्लैंड मुकाबलों में बनाए गए 732 रनों को पीछे छोड़ दिया। उनके प्रदर्शन ने श्रृंखला में भारत की वापसी में अहम भूमिका निभाई।**

Key Points:-

(i) भारतीय टीम द्वारा श्रृंखला में बनाए गए 3,809 रनों ने पाँच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में भारत द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रनों का नया रिकॉर्ड बनाया। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने लगातार छह अर्धशतकों के साथ योगदान दिया, जो किसी भी भारत-इंग्लैंड श्रृंखला में 50+ स्कोर की सर्वाधिक संख्या है।

(ii) गेंदबाज़ी में, मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड में एक ही टेस्ट सीरीज़ में सात बार चार विकेट लेकर इतिहास रच दिया, जो किसी भी एशियाई गेंदबाज़ द्वारा सबसे ज़्यादा है। इसके अलावा, आकाश दीप, सैयद किरमानी और अमित मिश्रा के बाद, विदेशी धरती पर टेस्ट अर्धशतक बनाने वाले भारतीय नाइटवॉचमैन की सूची में शामिल हो गए।

(iii) टेस्ट इतिहास में पहली बार, प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार विरोधी टीमों के दो खिलाड़ियों - शुभमन गिल (भारत) और हैरी ब्रुक (इंग्लैंड) को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया - जो एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के उद्घाटन संस्करण की प्रतिस्पर्धी और संतुलित प्रकृति को दर्शाता है।

App and Web Portal

1. IIT पलक्कड़ ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए भारत का पहला AI-संचालित लर्निंग ऐप 'टुटोज़' लॉन्च किया।

अगस्त 2025 में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) पलक्कड़, केरल ने प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवारों के लिए 'टुटोज़' नाम से भारत का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)-संचालित शिक्षण एप्लिकेशन औपचारिक रूप से लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य देश भर में सस्ती, सुलभऔर अनुकूलित शिक्षण समाधान प्रदान करना है।

- **'टुटोज़' का लॉन्च कार्यक्रम जुलाई 2025 में IIT पलक्कड़ परिसर में आयोजित किया गया था और इसका आधिकारिक उद्घाटन भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री (MOE) धर्मेंद्र प्रधान ने किया था। यह ऐप संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE), राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) और कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT) जैसी प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लाभ के लिए डिज़ाइन किया गया है।**

- **'टुटोज़' को IIT पलक्कड़ में स्थापित एक स्टार्टअप, रेविन टेक्नो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संस्थान के नवाचार और उद्यमिता सहायता पारिस्थितिकी तंत्र के तहत विकसित किया गया है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के प्रौद्योगिकी-सक्षम व्यक्तिगत शिक्षा को बढ़ावा देने के लक्ष्य के अनुरूप है।**

- **टूटोज़ ऐप के लिए मार्गदर्शन और वैचारिक मार्गदर्शन IT विशेषज्ञों - IIT पलक्कड़ के श्रीनाथ विजयकुमार और आईआईटी गुवाहाटी के सत्यजीत दास – द्वारा प्रदान किया गया है। दोनों सलाहकारों ने यह सुनिश्चित करने में योगदान दिया कि प्लेटफ़ॉर्म का एआई एकीकरण शैक्षणिक कठोरता और परीक्षा की तैयारी की ज़रूरतों के अनुरूप हो।**

Key Points:-

(i) टूटोज़ ऐप की प्रमुख विशेषताओं में टेक्स्ट, वॉइस या इमेज इनपुट के माध्यम से तत्काल शंका समाधान; दैनिक अभ्यास सत्र; व्यक्तिगत प्रदर्शन के अनुरूप अनुकूलित शिक्षण मॉड्यूल; और शिक्षार्थियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए गेमीफाइड लीडरबोर्ड शामिल हैं। इन विशेषताओं का उद्देश्य छात्रों की सहभागिता और तैयारी की दक्षता को बढ़ाना है।

(ii) 'टूटोज़' का शुभारंभ भारत के एडटेक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) क्षमताओं को विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ जोड़कर लाखों प्रतियोगी परीक्षा उम्मीदवारों के लिए एक स्केलेबल, सस्ती और सुलभ समाधान तैयार करता है, विशेष रूप से दूरदराज और कम सेवा वाले क्षेत्रों में।

(iii) ऐप का विकास और रोलआउट शिक्षा और डिजिटल शिक्षा में नवाचार के प्रति IIT पलक्कड़ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रेविन टेक्नो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड जैसे स्टार्टअप्स को समर्थन देकर, IIT पलक्कड़ भारत के शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र में अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका को मज़बूत करता है।

IMPORTANT DAYS

1. हिरोशिमा दिवस प्रतिवर्ष 6 अगस्त को मनाया जाता है।

हिरोशिमा दिवस प्रतिवर्ष 6 अगस्त को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1945 में संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) द्वारा जापान के हिरोशिमा पर किए गए विनाशकारी परमाणु हमले की याद में मनाया जाता है। 2025 में मनाया जाने वाला यह दिवस इस दुखद घटना की 80वीं वर्षगांठ का प्रतीक है, जो शांति और परमाणु निरस्त्रीकरण के आह्वान का एक वैश्विक प्रतीक बन गया।

- **हिरोशिमा पर परमाणु बमबारी 6 अगस्त 1945 को हुई थी, जब अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध के अंतिम चरण में जापानी शहर पर दुनिया का पहला तैनात परमाणु बम, "लिटिल बॉय", गिराया था। इस विनाशकारी हमले में हज़ारों लोग तुरंत मारे गए, और आने वाले महीनों और वर्षों में कई और लोग विकिरण संबंधी बीमारियों के शिकार हो गए।**

- **हिरोशिमा दिवस पहली बार 6 अगस्त 1947 को हिरोशिमा शांति महोत्सव संघ द्वारा आयोजित हिरोशिमा शांति महोत्सव के साथ मनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य पीड़ितों को श्रद्धांजलि देना और स्थायी शांति का संदेश फैलाना तथा भविष्य में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को रोकना था।**

Key Points:-

(i) हर साल, केंद्रीय स्मारक समारोह हिरोशिमा शांति स्मारक पार्क में, विशेष रूप से गेनबाकू गुंबद पर आयोजित किया जाता है, जो बमबारी के बाद संरक्षित खंडहर के रूप में खड़ा है। यह गुंबद विस्फोट के केंद्र के पास बची एकमात्र प्रमुख संरचना है, जो विनाश और लचीलेपन दोनों का प्रतीक है।

(ii) जेनबाकू डोम, जिसे परमाणु बम डोम के नाम से भी जाना जाता है, को युद्ध की मानवीय लागत और परमाणु निरस्त्रीकरण की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाने के लिए इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को मान्यता देते हुए 1996 में UNESCO विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

(iii) 2025 में 80वीं वर्षगांठ का आयोजन विशेष महत्व रखता है, जिसमें वैश्विक नेताओं, शांति कार्यकर्ताओं और नागरिकों से स्मरण समारोहों और शांति घोषणाओं में भाग लेने की उम्मीद है, जो परमाणु मुक्त दुनिया के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

DEFENCE

1. DAC ने भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 67,000 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी।

5 अगस्त, 2025 को, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने

भारतीय सेना (IA), भारतीय नौसेना (IN) और भारतीय वायु सेना (IAF) की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से ₹67,000 करोड़ के प्रस्तावों को मंजूरी दी। इन मंजूरियों में कई उन्नत हथियार, निगरानी प्रणालियाँ और मौजूदा प्लेटफ़ॉर्म का उन्नयन शामिल है।

- **भारतीय सेना (IA) को पैदल सेना के लड़ाकू वाहन, बोयेवाया मशीना पेखोटी (BMP) के लिए थर्मल इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट साइट की खरीद हेतु आवश्यकता स्वीकृति (AoN) प्राप्त हुई है। यह तकनीक रात्रिकालीन ड्राइविंग क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी, गतिशीलता में सुधार करेगी और रात्रिकालीन अभियानों के दौरान मशीनीकृत बलों को सामरिक लाभ प्रदान करेगी।**

- **भारतीय नौसेना (IN) के लिए, कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट (CASC), ₹650 करोड़ मूल्य की ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम, और बराक-1 पॉइंट डिफेंस मिसाइल सिस्टम के उन्नयन और लॉन्चरों की खरीद के लिए AoN प्रदान किया गया। इन खरीदों से पनडुब्बी रोधी युद्ध और मिसाइल रक्षा अभियानों में नौसेना की पहचान, वर्गीकरण और निष्प्रभावी करने की क्षमता में वृद्धि होगी।**

- **भारतीय वायु सेना (IAF) को माउंटेन रडार की खरीद, एकीकृत वायु कमान एवं नियंत्रण प्रणाली (आईएसीसीएस) के साथ एकीकरण हेतु सक्षम स्पाइडर हथियार प्रणाली के उन्नयन, और सतह से हवा में मार करने वाली डर्बी (SPYDER) मिसाइलों को मंजूरी मिल गई है। ये प्रणालियाँ हवाई निगरानी को बेहतर बनाएँगी और संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में भारत की वायु रक्षा स्थिति को मज़बूत करेंगी।**

Key Points:-

(i) DAC ने तीनों सशस्त्र बलों के लिए 87 मध्यम ऊंचाई वाले लंबी क्षमता वाले (MALE) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (RPAs) की खरीद को भी मंजूरी दी। ये RPAS कई सटीक निर्देशित हथियार ले जाने में सक्षम होंगे, जिससे सीमा निगरानी और रणनीतिक हमले अभियानों सहित बहु-क्षेत्रीय मिशनों के लिए चौबीसों घंटे निगरानी और युद्ध की तैयारी संभव होगी।

(ii) इसके अलावा, C-17 ग्लोबमास्टर ||| और सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमानों के रखरखाव के लिए, साथ ही एस-400 लंबी दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली के व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए भी मंजूरी दी गई। इससे रणनीतिक एयरलिफ्ट प्लेटफ़ॉर्म और उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणालियों की इष्टतम परिचालन तत्परता सुनिश्चित होगी।

(iii) ये संयुक्त प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय (MoD) के अंतर्गत आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भरता और क्षमता वृद्धि की दिशा में एक निर्णायक कदम दर्शाते हैं। इस ₹67,000 करोड़ के निवेश से, सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक निगरानी, हमला और रक्षा प्लेटफ़ॉर्म प्राप्त होंगे, जिससे पारंपरिक और विषम युद्ध दोनों ही परिदृश्यों में भारत की तैयारी मज़बूत होगी।

Static GK

RBI	राज्यपाल: संजय मल्होत्रा	मुख्यालय: मुंबई
Bank of Baroda	MD और CEO : डॉ. देबदत्त चंद	मुख्यालय: अलकापुरी, वडोदरा
Counterpoint Technology Market Research	मुख्यालय : हांगकांग	स्थापना : 2012
MoD	मंत्री: राजनाथ सिंह	मुख्यालय: नई दिल्ली
Philippines	अध्यक्ष: बोंगबोंग मार्कोस	राजधानी: मनीला
Airbus	CEO : गिलौम फौरी	मुख्यालय: ब्लाग्नैक, फ्रांस
Ant Group	CEO : एरिक जिंग	मुख्यालय: हांग्जो, चीन